Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 08-12-2006

Participants : Patle Shri Shishupal Natthu

an>

Title: Need to increase the support price for paddy.

श्री शिशुपाल ऐन पटले (भण्डारा): सभापति जी, मैं आपका ध्यान कृषि प्रधान देश के किसानों की ओर दिलाना चाहता हूं। किसान अपनी मांगों को लेकर अनेक प्रकार के आन्दोलन चला रहे हैं। महाराट्र में भी किसान अपनी मांगों को लेकर आन्दोलन कर रहे हैं। यह आन्दोलन मुख्य रूप से महाराट्र के नव जिलों में धान की फसल के सरकारी समर्थन मूल्य के खिलाफ हो रहा है। सरकार ने जो समर्थन मूल्य घोषित किया है वह बहुत कम है। आंदोलन कर रहे किसानों की मांगों को मानने के बजाय सरकार द्वारा उनके ऊपर गोलियां बरसाई जा रही है। किसान शांतिपूर्ण प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगों की तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करते रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से उनकी मांगों को गम्भीरता से नहीं लिया गया है। इसीलिए आज किसान सड़कों पर उतर कर अपनी मांगों को मनवाने हेतु आंदोलन कर रहे हैं और उनकी तरफ सरकार का ध्यान खींच रहे हैं। मैं सरकार से मांग करता हूं कि महाराट्र के इन नव जिलों में जहां धान की फसल होती है, वहां के धान उत्पादक किसान अनेक वर्षों से मांग करते रहे हैं कि धान का समर्थन मूल्य 1000 रुपये प्रति क्विंटल किया जाए, उस ओर सरकार का ध्यान नहीं गया है और सरकार ने 580 रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य घोषित किया है। इस प्रकार से किसानों के ऊपर सरकार द्वारा बहुत अत्याचार करने की कोशिश की गई है। किसानों का उत्पादन खर्च और सरकार के समर्थन मूल्य में 356 रुपए प्रति क्विंटल का अन्तर है। वे अपना धान 356 रुपए प्रति क्विंटल घाटे से बेच रहे हैं। इसलिए मैं अपने धान उत्पादक किसानों की ओर से सरकार से मांग करता हूं कि किसानों के धान का कम से कम समर्थन मूल्य 1000 रुपए प्रति क्विंटल घोषित किया जाए। सरकार किसानों की समस्याओं पर सहानुभूति पूर्वक विचार करने की बजाय उनके ऊपर बर्बरता से गोलियां चला रही है। यह ठीक नहीं है। मैं मांग करता हूं कि सरकार गोलियां बरसाना बन्द करे और उनके धान का कम से कम समर्थन मूल्य 1000 रुपए प्रति क्विंटल दिया जाए।